ॐ

॥ श्रीचन्द्रमौलीश्वराय नमः ॥

Shri Chandramaulishvaraaya Namah

Shri Kanchi Kamakoti Mulamnaya Sarvajna Peetham

Shri Shankaracharya Shrimatham Samsthanam

Kanchipuram, Tamil Nadu – 631502

॥ स्विष्टम् अस्माकं भूयात् । माऽस्मान् प्रापन्नरातयः ॥

॥ विश्वशान्तिमहायज्ञः ॥

Vishva Shanti Maha Yajna

September 01-10, 2011

With the blessings of Their Holinesses the Shankaracharya-s of Shri Kanchi Kamakoti Peetham, Kanchipuram, Tamil Nadu, a Vishva Shanti Maha Yajna is being organized in the Zeashta Devi Shrine premises at Shrinagar, Kashmir from September 1st to 10th, 2011.

This Vishva Shanti Maha Yajna is being performed for the welfare of one and all by learned Vedic scholars from South India. First Ganapati Havan will be done for removal of all obstacles. Then Rig Veda Havan will be done by chanting 10,552 mantra-s of the Rig Veda, each with their own unique Rishi (sage who discovered the mantra), Chandas (poetic metre) and Devata (deity). This havan has been directly prescribed in the Rig Veda:

यः समिधा य आहुती यो वेदेन ददाश मर्तो अग्नये (ऋ० सं० ८–१९–५)

Each syllable in the Veda mantra-s has beneficial effects of its own, and 3,97,264 (almost four lakh) syllables of the Rig Veda will be chanted in the course of this havan. At the end, tarpana (oblations of milk) will be offered to all the Rishi-s and Devata-s of the Rig Veda.

Likewise, chanting of Yajur Veda and Sama Veda is also arranged for. There will also be Gayatri Sahasranama Archana and daily chanting of Lalita Sahasranama.

As this is being done for the welfare of one and all, all are invited to come and receive the blessing of Shri Zeashta Devi and all the Vedic Deities invoked in the havan!

-sd-

Challa Venkateshvara Sharma

Shrikaryam & Agent

॥ अग्ने नय सुपथा राये अस्मान् ॥

"O Agni, who taketh the oblations offered in the havan to the gods,
take us in the best path towards prosperity!"

Note: The first Vishva Shanti Maha Yajna was performed at Mata Shri Vaishno Devi Shrine and in Jammu from October 28th to November 2nd, 2010 by the efforts of Shri Kanchi Kamakoti Peetham as well as Tirumala Tirupati Devasthanams. This is the second Maha Yajna.

ॐ

॥ श्रीचन्द्रमौलीश्वराय नमः ॥

॥ श्री काञ्ची कामकोटि मूलाम्नाय सर्वज्ञ पीठम् ॥

॥ श्री शङ्कराचार्य श्रीमठ संस्थानम् ॥

काञ्चीपुरम्, तमिलनाडु - ६३१५०२

॥ स्विष्टम् अस्माकं भूयात् । माऽस्मान् प्रापन्नरातयः ॥

॥ विश्वशान्तिमहायज्ञ ॥

सितम्बर ०१-१०, २०११

श्री काञ्ची कामकोटि शङ्कराचार्य महाराज जी का आशीर्वाद से २०११ सितम्बर १ से १० तक श्री ज्येष्ठा देवी मन्दिर (श्रीनगर, कश्मीर) में लोकक्षेमार्थ विश्व शान्ति महायज्ञ का आयोजन किया है ।

इस विश्व शान्ति महायज्ञ का अनुष्ठान दक्षिणभारत के वैदिक विद्वानों द्वारा सम्पन्न होगा । इस कार्यक्रम में विघ्न निवारण केलिए गणपतिहवन करके ऋग्वेद की १०५५२ ऋचाओंसे ऋषि छन्द देवता आदि निर्देशपूर्वक हवन (स्वाहाकार) किया जाएगा । यह हवन साक्षाद् ऋग्वेद का –

यः समिधा य आहुती यो वेदेन ददाश मर्तो अग्नये (ऋ० सं० ८–१९–५)

इस वाक्य से विहित है । वेद के प्रत्येक अक्षर विशेष फल देनेवाले है । इस हवन में ऋग्वेद के ३९७२६४ (लगभग चार लाख) अक्षरों का पठन होगा । अनुष्ठान के सम्पूर्ति में सभी ऋषि देवताओं केलिए क्षीरतर्पण किया जाएगा ।

इस कार्यक्रम में यजुर्वेद और सामवेद का पारायण भी आयोजित है । तथा गायत्री सहस्रनामार्चन और प्रतिदिन ललिता सहस्रनाम पारायण भी सम्पन्न होंगे ।

यह कार्यक्रम विश्व शान्ति केलिए आयोजित है इसलिए सभी आस्तिक सज्जनों से निवेदन है कि वे इस पवित्र कार्यक्रम में सम्मिलित होकर श्री ज्येष्ठा देवी और समस्त वैदिक देवताओं का अनुग्रह भागी बनें ।

–हस्ताक्षर–

चल्ला वेङ्कटेश्वर शर्मा

श्रीकार्यम् और एजेन्ट्

॥ अग्ने नय सुपथा राये अस्मान् ॥

"हे अग्नि देव तुम, हविर्भाग को देवताओं तक पहुँचा कर, हमे अच्छे मार्ग पर समृद्धि के लिए ले जाओ !"

सूचना - पहला विश्व शान्ति महायज्ञ का अनुष्ठान माता श्री वैष्णो देवी मन्दिर और जम्मू के श्री रघुनाथ मन्दिर में अक्टोबर २८ से नवम्बर २, २०१० तक श्री काञ्ची कामकोटि पीठ और तिरुमला तिरुपति देवस्थान के आयोजकत्व में सम्पन्न हुआ । यह दूसरा महायज्ञ है ।